



## उज्ज्वल डिस्कोम एश्योरेंस योजना

### संदर्भ

उदय योजना के बाद से वदियुत वतिरण कंपनियों के स्वास्थ्य में सुधार देखिने लगा है।

### क्या है उदय (UDAY)?

- उदय अर्थात् उज्ज्वल डिस्कोम एश्योरेंस योजना (Ujwal DISCOM Assurance Yojana)। डिस्कोम अर्थात् डिसट्रीब्यूसन कंपनीज़।
- इस योजना का लक्ष्य देश की वदियुत वतिरण कंपनियों की वत्तीय स्थिति में सुधार एवं उनका पुनरुद्धार करना तथा उनकी समस्याओं का स्थाई समाधान सुनिश्चित करना है।
- वदियुत मंत्रालय द्वारा यह योजना उज्ज्वल डिस्कोम एश्योरेंस योजना या उदय नाम से प्रारंभ की गई है।
- यह माननीय प्रधानमंत्री के सभी लोगों के लिये 24 घंटे कफायती एवं सुवधाजनक वदियुत सुनिश्चित करने के स्वप्न को साकार करने की दशा में एक पथ प्रदर्शक सुधार है।

### उदय से लाभ

- सभी के लिये सातों दिनि चौबीसों घंटे बजिली।
- सभी गाँवों के लिये वदियुतीकरण।
- सक्षम उर्जा सुरक्षा।
- रोजगार के अवसर पैदा करने के लिये बजिली क्षेत्र में निवेश को पुनर्जीवित करना।
- लगभग सभी वदियुत वतिरण कंपनियों को लाभदायक स्थिति में लाना।
- उदय दक्षता में सुधार कर वार्षिक 1.8 लाख करोड़ की बचत करना।

### प्रमुख बढि

- हरियाणा, तमलिनाडु, राजस्थान और उत्तर प्रदेश की वदियुत वतिरण कंपनियों ने उज्ज्वल डिस्कोम बीमा योजना को अपनाने के बाद सुधार देखिना शुरू कर दिया है।
- एक आधिकारिक बयान के अनुसार, वत्त वर्ष 2016-2017 में हरियाणा में कुल वाणजियिक और तकनीकी घाटा वत्तीय वर्ष 2015-2016 के 29.8 प्रतिशत से घटकर 25.9 प्रतिशत तक नीचे आ गया है।
- तमलिनाडु में भी घाटे में कमी आई है, जो वत्तीय वर्ष 2015-2016 के 20.39 प्रतिशत से घट कर वत्तीय वर्ष 2016-17 में 14.53 प्रतिशत तक हो गया है।
- इसी तरह राजस्थान ने हानिको पछिले वर्ष के 27.3 प्रतिशत से घटाकर 23.6 प्रतिशत तक तथा उत्तर प्रदेश ने 33.84 प्रतिशत से घटाकर 30.21 प्रतिशत किये है।
- वत्तीय वर्ष 2016-2017 में हरियाणा में वदियुत की खरीद लागत में भी कमी आई है। यह पछिले वर्ष के प्रतिथूनटि 5.05 रुपए से घटकर 5.01 रुपए हो गई है।
- सरकार के बयान में यह कहा गया है कि 30 सतिंबर, 2015 को सभी सरकारी स्वामतिव वाली वदियुत वतिरण कंपनियों का कुल कर्ज़ 3.95 लाख करोड़ था।
- 26 राज्यों और एक केंद्र शासति प्रदेश, जो उदय योजना में शामिल हो गए हैं, उनका कुल बकाया ऋण 3.82 लाख करोड़ था।
- अब तक 2.32 लाख करोड़ रुपये के बॉन्ड जारी किये गए हैं। उदय योजना के तहत राज्यों के लगभग 86 प्रतिशत ऋण के बॉन्ड अब तक जारी किये गए हैं।